NBT
नवभारत टाइम्स

समृद्धि महामार्ग : सबसे लंबी ट्विन टनल खुलेगी आज

20 मंजिला बिल्डिंग जितनी ऊंचाई से गुज़र गाड़ियां पहुंचेंगी ठाणे

ट्विन टनल के जरिये इगतपुरी से कसारा 5 से 7 मिनट में पहुंच सकेंगे।

अब तक पहाड़ी मार्ग के चलते यह दूरी तय करने में 30 से 35 मिनट लग रहे थे।

Pankaj.Pandey@Timesofindia.com

■ मुंबई : मुंबई : मुंबई से नागपुर के बीच सफर को आसान बनाने के लिए बने समृद्धि महामार्ग के अंतिम फेज का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे।

आज समृद्धि महामार्ग के अंतिम फेज का होगा उद्घाटन

इसमें महाराष्ट्र की सबसे लंबी और देश की सबसे चौड़ी ट्विन टनल का निर्माण पूरा हुआ है। इगतपुरी से ठाणे के बीच 76 किमी के इस अंतिम फेज को गाड़ियों के लिए खोल देने से मुंबई से नागपुर का सफर 7 से 8 घंटे में पूरा हो सकेगा। पहाड़ों को चीरकर देश के सबसे हाईटेक हाइवे के लिए यह रास्ता बनाया गया है।

> पूरे मार्ग के खुल जाने से यात्रियों का सफर आसान होने के साथ यात्री तेजी से अपने अंतिम गंतव्य स्थान तक पहुंच सकेंगे। महामार्ग के खुलने से हाइवे के करीब के एरिया का भी तेजी से विकास हो सकेगा। हाइवे के नजदीक औद्योगिक केंद्र भी विकसित किए जा रहे हैं। इससे मुंबईकरों को कई फायदे होंगे।
> -देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

राज्य की सबसे लंबी टनल की खूबी

- **7.78Km** लंबी लंबी
- **17.6m** चौड़ी
- **9.12m** ऊंची
- **150m** पर फोन
- **30m** पर स्पीकर
- **26** एग्जिट सिस्टम
- इंटरनेट
- ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम
- फायर अलार्म सिस्टम
- एक्सेस कंट्रोल सिस्टम
- रेडियो कम्युनिकेशन
- हाई प्रेसर वॉटर मिस्ट सिस्टम
- सीसीटीवी कैमरों से नज़र

सबसे अधिक बारिश वाला इलाका

इगतपुरी महाराष्ट्र के सबसे अधिक बारिश वाले इलाकों में आता है। इस पूरे प्रोजक्ट को काम पूरा करने के हिसाब से 16 पैकेज में बांटा गया था। इनमें यह काम पैकेज 14 के तहत आता है। टनल के पास नदी होने के कारण इसे पूरा करने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुसार, बारिश के दौरान काम जारी रखने के लिए साइट के पास एक बांध बनाना पड़ा। भविष्य में भी टनल में पानी नहीं भरे, इसके लिए शुरुआती हिस्से में 200 मीटर तक शेड टनल बनाई गई है। डेडलाइन से पहले ही इस टनल का काम पूरा कर दिया गया।

20 मंजिला बिल्डिंग की ऊंचाई है ब्रिज की

एक से दूसरे पहाड़ के बीच की खाई पाटने के लिए 20 मंजिला इमारत जितना ऊंचा व्यायडक्ट (ब्रिज) बनाया गया। दो व्यायडक्ट हैं। एक की ऊंचाई 910 मीटर और दूसरे की 1295 मीटर है। टनल बनने के दौरान देश में पहली बार हाई प्रेसर वॉटर मिस्ट सिस्टम का इस्तेमाल हुआ। इसके तहत टनल में आग जैसा कोई हादसा होता है तो तापमान 60 डिग्री सेल्सियस पहुंचते ही फायर सिस्टम अपने आप काम करने लगेगा। टनल में लगे पाइपों से पानी की बौछार शुरू हो जाएगी। सफर के दौरान यात्रियों को इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए टनल के भीतर 'लीकी केबल' की व्यवस्था की गई है। इससे सिग्नल अच्छा आएगा।